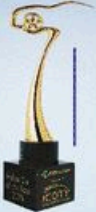
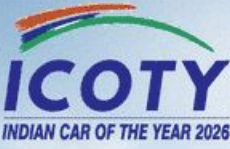




THANK YOU, INDIA!

VICTORIS



INDIAN CAR OF THE YEAR 2026



ICOTY Partner Media

AutoToday | autoX | car | CarDekho | carwale | EVO | MOTORING | OVERDRIVE | ThePrint | TOI | turbocharged



SCAN AND CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM



CONTACT US AT **1800-102-1800**

Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions.

VICTORIS



दबाव बनाकर या बच्चों को मानकर कम सैदा क्लोन बनाने की शिक्षा का सामना करनी पड़ेगी। अतीत में संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकार आयोग ने 25 दिसंबर को चीन के खिलाफ निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। 25 दिसंबर को चीन के खिलाफ निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। 25 दिसंबर को चीन के खिलाफ निर्णय के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।



स्नैक चुने एक चैम्पियन की तरह!

असमर्थत बुमराह का पसंदीदा स्नैक खाकर सेहत बनाएँ। अमरीकी पिस्तोन केवल स्वादिष्ट हैं बल्कि आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर हैं जो आपको ऊर्जावान और सेहतमंद बनाए रखते हैं। भारत के सभी प्रमुख ड्राई फ्रूट और नट ब्रांडों द्वारा पैक किए जाने वाले अमरीकी पिस्ते देशभर में सभी ड्राई फ्रूट खुदरा विक्रेताओं तथा ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर उपलब्ध हैं। अमरीकी या कैलिफोर्निया पिस्ते के बारे में अधिक जानने के लिए पृष्ठ या सर्च करें।

**AMERICAN QUALITY
PISTACHIOS®**
California Grown
AmericanPistachios.in

AMERICAN QUALITY
PISTACHIOS®
California Grown

BUY NOW

सभी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और पूरे भारत में प्रमुख खुदरा विक्रेताओं के पास उपलब्ध है।

 **MARUTI SUZUKI** ARENA



VICTORIS
GOT IT ALL



SCAN AND CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM



CONTACT US AT **1800-102-1800**

Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions.

VICTORIS



2 2 6

नईउम्मीद

इन्टरनेट की रफ़्तार में आज पढ़िए 2025 में हमने और सब्सक्राइब करने के लिए 5 टैग्स। जो लोग पढ़ेंगे वे उन्हें डिजिटल अक्सेस के लिए एआई और फेक टैग्स के जरिए लाखों लोगों को कम लागत। जामिए अफ़ग़ानिस्तान के इन तरीकों की पूरी डिटेल, तबक़ी आने वाले सप्ताह में आप रहे अवर्त और सुविधा।

देखें पेज 2

हैपी मॉर्निंग

टेक्नी ड्राइवर: साहब, डेक फेल हो गया, गाड़ी रुक ही नहीं रही है। क्या करें?

यात्री: तुम बस मीटर बंद कर दो, ज्यादा मत सोचो।

सर्वाफा

सोमा स्टैक (99.5 बुद्धि) की 10 बजे दिल्ली ११.40.850 (+2.550) चांदी 999 टॉप ब्रॉड मिनी दिल्ली १2.17.250 (+2.750)

मौसम

अधिकतम तापमान 23.2°

8.8°

सुनोपन 5:31 | सुनोपन 7:12

आज दिनभर चलेगी ठंडी हवा, क्रिस्मस के बाद फिर बढ़ेगा बोझ।

* 14 + 4 नैपल/नामिकादः टाइम्स

गैप-4 हटने पर भी नो पीयूसी नो फ्यूल

दिल्ली सरकार बोली, सख्ती रहेगी जारी

PUC सेंटरों पर मिली गड़बड़ी तो होगा ऐक्शन

17 दिसंबर से लागू है बिना PUC के तेल न देने का रुल

दिल्ली में गैप-4 की पाबंदी हटने के बाद भी 'नो पीयूसी नो फ्यूल' का रुल लागू रहेगा, चूंकि PUC सर्टिफिकेट न होने पर बिना PUC के तेल न देने का रुल लागू रहेगा। मुल्यमंत्री ने कहा कि अफ़ग़ानिस्तान में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में अफ़ग़ानिस्तान से यह फैसला लिया गया। वहीं फ़ास्ट ट्रैक में यह फैसला लिया गया। वहीं फ़ास्ट ट्रैक में यह फैसला लिया गया। वहीं फ़ास्ट ट्रैक में यह फैसला लिया गया।

27 PUC सेंटरों को कारण बताओ नोटिस

आठ दिन बाद AQI फिर पहुंचा 400 पर

एलजी ने केजरीवाल को लिखा पत्र : LG जी. के. सक्सीन ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा। कहा, प्रदूषण के लिए 11 साल की केजरीवाल सरकार जिम्मेदार है। 'आज' ने कहा, केजरीवाल को नती, दिल्ली की सीएम को पत्र लिखना चाहिए।

नहीं वापस होगा अखलाक केस, UP सरकार की अर्जी खारिज

इसाफ का हक, जारी रहेगा अखलाक केस

19 लोगों पर आरोप, अब दर्ज होगा बयान

PM ने जताया दुख

बांग्लादेश के खिलाफ कई जगह विरोध प्रदर्शन

उन्नाव रेप केस में सेगोर को जमानत

गौतमपुत्र नगर की निवा अदालत ने अखलाक 'मोब लिफ्टिंग' केस में यूपी सरकार की केस वापस लेने की अर्जी खारिज कर दी है। मंगलवार को बिनाहक के 'मोब लिफ्टिंग' केस में अदालत ने कहा कि केस वापसी की अर्जी मजबूती और बेवृत्ति के कारण नहीं होगी। पीपुल परिवार ने इसे अपनी जीत बताया है। उन्होंने सरकार के 'केस' के खिलाफ हाई कोर्ट में भी याचिका दायर की थी। यूपी सरकार ने केस वापसी के लिए सार्वजनिक सड़क बंद रखने का इरादा दिख रखा।

इसाफ का हक, जारी रहेगा अखलाक केस

19 लोगों पर आरोप, अब दर्ज होगा बयान

PM ने जताया दुख

बांग्लादेश के खिलाफ कई जगह विरोध प्रदर्शन

उन्नाव रेप केस में सेगोर को जमानत

फटाफट खबरें

चीनी वीजा: कार्ति पर तय होंगे आरोप

थाने में हैवानियत, 3 पुलिसवाले सस्पेंड

उन्नाव रेप केस में सेगोर को जमानत

अर्थसार

चीनी वीजा: कार्ति पर तय होंगे आरोप

थाने में हैवानियत, 3 पुलिसवाले सस्पेंड

उन्नाव रेप केस में सेगोर को जमानत

अर्थसार

BRITANNIA

क्या GST के घटने से आपको ज़्यादा बिस्किट्स मिल रहे हैं?

मिलने चाहिए

इसलिए ब्रिटानिया के हर ₹.5 और ₹.10 पैक में, आपको वही दाम में ज़्यादा बिस्किट्स का फ़ायदा मिलेगा। अगली बार, पैक पलटकर दाम और वज़न, दोनों को देखिए, और दुकानदार से सही मांग रखिए। जागरूक रहिए

₹10 में 69.2g 80g

₹10 में 13.8g 15 बिस्किट्स

₹5 में 30.2g 34.5g

₹5 में 7.8g 8 बिस्किट्स

₹5 में 31.6g 35.3g

₹5 में 8 बिस्किट्स 9 बिस्किट्स

₹10 में 52.6g 60.1g

₹10 में 7.8g 8 बिस्किट्स

₹10 में 69g 67.6g

₹10 में 8 बिस्किट्स 9 बिस्किट्स

पिटाई की ओर 5 हजार रुपये छ
लिए। जाते-जाते जान से मारने
धमकी भी दी।

अब लैब्स में एक्सपेरिमेंट करेगा AI असिस्टेंट

Katyayani Upreti
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: AI सलाहों के जगह देने का काम शुरू कर दिया है, अब वह लैब में एक्सपेरिमेंट करेगा। आईआईटी दिल्ली की टीम ने एक ऐसा AI एजेंट बनाया है, जो रिसर्च/वैज्ञानिक की जगह लैब में खुद एक्सपेरिमेंट करेगा। इस टीम ने AILA नाम का एक खुद AI लैब असिस्टेंट बनाया है, जो लैब के नोटबुक एंट्रीज को सुनिश्चित करता है कि एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं।

कहां और कैसे करता है काम

इस टीम ने शामिल स्टूडेंट्स, फिलॉसॉफी, बड़े-बड़ी रिसर्च में फायरगुल स्टूडेंट्स को चलाने के लिए 'इंटरैक्टिव' चाहिए है हमने AI को चुना। लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) का इस्तेमाल करके AI को मशीन के साथ जोड़ दिया।

QUALITY SINCE 1936

KANODIA

KANODIA KOLHU BRAND

रिश्तों की शुश्रूषा में स्वाद का तड़का

GROUNDNUT OIL, KACHI GHANI & YELLOW MUSTARD OIL

AVAILABLE AT ALL LEADING STORES

FREE HOME DELIVERY • SATISH CHADHA 9313325933

कौन सी योग क्रियाएं मेटल हेल्थ को रखेंगी दुरुस्त?

आ य को मशीन-द्वारा निर्देशों में हम कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से जुड़े हैं। इस तरह से हमारी जिंदगी में किसी न कि...
लगातार की परेशानी बढ़ने लगी है। अगर आप अपनी लाइफ को संतुलित करने के लिए खन चाहते हैं तो एनबीटी रंगमंच क्लब आपके लिए लेकर आ रहा है एक खास लाइव वर्कशॉप, जहां योगेश कुमार आपकी योग के जरिए जीवन को आराम बनाने का तरीका सिखाएंगे। इस वर्कशॉप में आप ऐसी योग क्रियाएं सीखेंगे जो आपके शरीर को सकारात्मक ऊर्जा देने का काम करेगी।

आपाय योगेश कुमार, (योग गुरु)

तारीख: 27 दिसंबर 2025
समय: सुबह 11:30 से
स्थान: ऑनलाइन
फीस: फ्री

आपकी मेटल हेल्थ को भी दुरुस्त रखेंगी।

रजिस्ट्रेशन के लिए 7003890071 पर कॉल या वट्सएप करें

IP यूनिवर्सिटी में 'AI महाकुंभ'

■ NBT विशेष: नई दिल्ली: एक गैर-प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता के 'AI इन्वेंट्रियन' में 'महाकुंभ' और 'AI' कार्यक्रम में शिक्षा में आरंभिक चरण में है। हर देश के 'जीवन' में ऐसे क्षण होते हैं, जब उनकी जिज्ञासा की गई तकनीक सचन की संरचना को नए सिरे से आकार देने लगती है। इसी पंक्ति के लिए 'आईएनवेंट्रियन (AI)' की परियोजनाएं शीर्षक हैं।
इस राष्ट्रीय सम्मेलन में नेटवर्क, नैतिक निर्माण, नियामक, विकास और इंटरनेट विश्वविद्यालय में भाग लिया और बाद में AI के विकास पर चर्चा की। सम्मेलन में भारत के उदात्तता में है।
यह राष्ट्रीय सम्मेलन में नेटवर्क और एआई समय के विकास के तरीके को बदल रहा है। नए नए कि आईआईटी यूनिवर्सिटी ने लॉन्च किया है।
आईआईटी यूनिवर्सिटी ने लॉन्च किया है।
आईआईटी यूनिवर्सिटी ने लॉन्च किया है।

जब दर्द है, तो नूरामेन्ट है ना!

नूरामेन्ट

तेल एवं क्रीम

असरदार जड़ी बूटियों से निर्मित

कमजोर मांसपेशियां, शारीरिक जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, गुठनों का दर्द की तेज़ व असरदार आयुर्वेदिक दवा

नूरामेन्ट की रोज़ाना मालिश से मिले दर्द से लम्बा आराम

राहत हर्बल रेमेडीज़ रुड़की, हरिद्वार

आर्डर एवं जानकारी के लिये सम्पर्क करें : कमलेश सिंह (सेल्स मैनेजर) 9935019690

नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएँ

दिल्ली पुलिस

साथि सेवा न्याय

सुरक्षित दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आँख और कान बनें

- अपने आस-पास के माहौल से सचेत रहें और सार्वजनिक/भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहें।
- प्रॉपर्टी या गाड़ी के लैन्-टैन से पहले जांच पड़ताल करें।
- संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधियाँ या वस्तुओं की रिपोर्ट करें।
- कोई विदेशी समयावधि से अधिक अवधि रूप से ठका हो, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।
- किरायेदारों, घरेलू कामगारों और होटल में आगंतुकों की पृष्ठभूमि सत्यापित करें।
- सामूहिक सुरक्षा के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करें।

यह किसका स्कूटर है?
इतना समय हो गया है, यह अभी भी यहीं है!

CALLING: 14547

किसी भी संदिग्ध की सूचना हेतु कॉल करें **14547** #सावधान रहें, सतर्क रहें

पुलिस प्रभु, दिल्ली को ई-मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिंक्स: delhipolice.nic.in

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें | साइबर हेल्पलाइन नंबर: 1930

AQI-PROOF LIVING STARTS HERE

WITH AN ADVANCED AIR PURIFICATION TOWER AT THE PODIUM PARK

MERRY CHRISTMAS

HERITAGE SKYWARD

Luxury Unbound

3 & 4 BHK LUXURY APARTMENTS

INR 1.40 crore* onwards

FOR BOOKING: 9355 388 388

POSSESSION SOON

INDIA: NEW RICE SAGA

SPOTLIGHT



BHARAT INTERNATIONAL RICE CONFERENCE

From Surplus to Supremacy
India's Rise in Global Rice

भारत का चावल क्षेत्र: दीर्घकालिक विज्ञान व रोडमैप पर मंथन

बीआईआरसी 2025 में नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के लीडर्स ने इस बात पर जोर देते हुए चर्चा की कि भारत अपने चावल निर्यात की संभावनाओं का बेहतर उपयोग कैसे कर सकता है और उपज बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम उपायों को किस तरह अपना सकता है।

TE@timesofindia.com

बीआईआरसी 2025 में उद्योग जगत के लीडर्स और नीति-निर्माताओं ने देश के चावल क्षेत्र के दीर्घकालिक विज्ञान व रोडमैप पर मंथन और चर्चा की।

आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक और निर्यातक है, जो वैश्विक चावल निर्यात का लगभग 40% हिस्सा रखता है। वर्ष 2024-25 में भारत का चावल निर्यात 20 मिलियन टन रहा, जबकि उत्पादन के मामले में भी भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

बाजार में बेहतर अवसर, उन्नत फसल उत्पादन और ज्यादा उपज देने वाले चावल के बीच उत्पादन को नई गति दे रहे हैं। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरएफ) के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. प्रेम गर्ग के अनुसार, हम 51 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 150 मिलियन टन चावल का उत्पादन कर रहे हैं। निर्यात के मोर्चे पर 12 मिलियन टन अफ्रीका, 5 से 6 मिलियन टन मिडिल ईस्ट और 2 से 3 मिलियन टन यूरोप और अमेरिका को भेज जाते हैं।

पूछे जाते हैं कि भारत की इंडिया (एनबीआई) के पास लॉन्ग टर्म आउटलुक से तीन से चार गुना अधिक रिकॉर्ड मौजूद है। मानसून की अनिश्चितताओं से निपट करने वाले जो किसान को काम करने के लिए धैर्यवान क्षमता बढ़ाना और इन्वेन्ट्री को स्थिर रखना जरूरी है। आज चावल देश के कुल कृषि निर्यात में लगभग 20% का योगदान दे रहा है।

सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी

भारत में सोना मसुरी और मटर राइस जैसे बेहतरीन किस्में मौजूद हैं और हर राज्य अपनी विशिष्ट चावल किस्म का उत्पादन करता है, लेकिन इनके वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए अभी तक भौगोलिक संकेतक (जीओआई) का इस्तेमाल नहीं किया जा सका है। सस्टेनेबल राइस ओइंग टेक्नोलॉजी समग्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके साथ ही, ऐसी नई किस्में का विकास भी जरूरी है, जो प्रांतीय अर्थव्यवस्था को काम करने के लिए प्रेरित कर सकें और खपत बढ़ा सकें, जैसे किटकी राइस और हायब्रिड राइस।

हालांकि भारतीय चावल की मांग अगले भी मजबूत बनी रहेगी, लेकिन इसके साथ नए बाजारों का विकास भी आवश्यक है। किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है, ताकि वे चावल की खेती में सर्वोत्तम तरीकों को लागू कर सकें। संचालन की जवाबदेही और विस्तार के लिए जियो टैगिंग और ट्रेसिंग मैट्रिक्स दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।

जहां एक ओर बेहतर फसल उपज पर काम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर चावल की खेती में पानी की खपत कम करना भी बेहद जरूरी है। एक किलो चावल उगाने में 3,000 से 5,000 लीटर पानी लगता है, जिससे हर साल भूजल स्तर लगभग 1.5 फीट नीचे जा रहा है। किसानों को यह समझने की जरूरत है कि उत्पादन और मुद्रा के बीच संतुलन बनाना समय की मांग है। मशीनरीकरण और केमिकल इनपुट्स का इस्तेमाल जरूरी है, लेकिन उपकरणों तक पहुंच अभी भी सीमित है।

स्पेशलिटी राइस का विस्तार

समस्याओं का समाधान प्राप्त होना स्तर पर किया जाना चाहिए और लॉन्ग टर्म प्रयासों के जरिये ऐसे तंत्र विकसित किए जाने चाहिए, जिनसे गुरुवाली स्तर पर ही समाधान मिल सकें।

ई एंड वाई इंडिया के चार्टर्ड अग्रीकल्चरल एक्सपर्ट डॉ. अशोक कुमार के अनुसार, 'नीचियर राइस का विकास समय की जरूरत है और लोक राइस व काल नमक राइस जैसी किस्में खास बाजारों में तेजी से लोकप्रिय होनी चाहिए। विकसित होना बाजार में चावल को बेहतर तरीके से स्थापित करने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल सबसे उपयुक्त रास्ता है। जहां सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण पर ध्यान देती है, वहीं निजी क्षेत्र प्रोडक्ट डेवलपमेंट की दिशा में काम करता है।

दुनिया धीरे-धीरे ऐसे चावल की ओर बढ़ रही है, जिसमें कीटनाशकों का इस्तेमाल कम हो। किसान अवसर अल्ट्राफाइन मुद्राएं पर ध्यान देते हैं और जैववैज्ञानिक प्रौद्योगिकी कम उपजाने हैं। इसमें ऐसे प्रोसेसिंग और सहायक की जरूरत है, जो उत्पादन में भी व्यावहारिक हों। रासायनिक संरक्षकों और किसान सहायता समूहों को बेहतर मूल्य और उत्पत्ति में कमी पर क्षितिज प्रोत्साहन देकर किसानों को एक समुदाय के रूप में सबल बना दिया।

शिक्षा: प्रगति का नया मंत्र

एनबीआईएफ के इन्फोस्ट्रक्चर डॉ. गगनेश शर्मा के अनुसार, किसानों की सोच तकनीकी नहीं होती। वे अभी किसी नई तकनीक को अपनाने के लिए तैयार



हालांकि चावल की मांग अगले भी मजबूत बनी रहेगी, लेकिन इसके साथ-साथ हमें नए बाजारों का विकास भी करना होगा। किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है, ताकि वे चावल की खेती में सर्वोत्तम तरीकों को लागू कर सकें। संचालन की जवाबदेही और विस्तार के लिए जियो टैगिंग और ट्रेसिंग मैट्रिक्स दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।



मंत्रालय और राज्य सरकारों के प्रयासों से ऑर्गेनिक खेती के लक्ष्य लगभग बढ़ रहा है। हालांकि मांग अभी है, लेकिन माता की मांग पूरी न कर पाने के कारण हम इसका पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।



पूरे सिस्टम में मुख्य पारदर्शिता होने से देशों को अधिक निवेश करने का अवसर मिलेगा और वे अधिक बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत की है, जिसके तहत एक करोड़ से अधिक किसानों को खेती से जोड़ा जाएगा। मैग्नेटोप्ला के बीच एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर मजबूत डिजिटल टूल के अनुसार, ऑर्गेनिक चावल प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए अनुत्पन्न संरचना को किसानों के साथ मिलकर उन्हें बेहतर खेती प्रदर्शनों का प्रोत्साहन देना चाहिए। भले ही विशाल देश में ऑर्गेनिक बासमती चावल की खपत की बढ़ी संभावना न हो, लेकिन निर्यात के लिए एक विशाल और अब तक अनुप्राप्त बाजार मौजूद है।



ऑर्गेनिक चावल के संदर्भ में नैन-बासमती अनाज को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक किसानों को लाभ हो सके।

अधिक किसान ऑर्गेनिक खेती की ओर रुख कर रहे हैं। साथ ही किसानों को ऑर्गेनिक चावल के पोषण और पैक संबंधी गुणों के बारे में भी जागरूक करना बेहद जरूरी है।

ऑर्गेनिक चावल के सामने चुनौतियां

ऑर्गेनिक चावल के क्षेत्र में जगत्सत्ता की कमी और सर्टिफिकेशन से जुड़ी जटिल प्रक्रियाएँ बड़ी चुनौतियाँ हैं। अलग-अलग देशों में ऑर्गेनिक चावल के मानक अलग होते हैं, जिसका अर्थ है कि हर बार किसी कंसाइमेंट के निर्यात पर समय, धन और संसाधनों की अतिरिक्त आवश्यकता पड़ती है। जल्दबासी इस बात की है कि कृषि विपरिवादाओं से जुड़े उद्योगों का एक ऐसा सेलुलर रिस्क है, जो किसानों को सर्टिफिकेशन और ऑर्गेनिक खेती का प्रोत्साहन दे सके।

ऑर्गेनिक चावल को बाहरी प्रदूषण से पूरी तरह मुक्त रखना जरूरी है। जहां कम मात्रा में निर्यात अपेक्षाकृत आसान होता है, वहीं बड़े पैमाने पर निर्यात के लिए मजबूत वॉलरिटी सिस्टम स्थापित करना अनिवार्य हो जाता है। बाजार की मांग को खेत स्तर पर पारदर्शिता होना चाहिए। कबी पूड वॉलरिटी ऑर्गेनिक चावल की वैश्विक स्तर पर भारी मांग है। राइस केक और राइस क्रैकर्स जैसे उत्पादों के जरिये वैश्वीकरण किया जा सकता है। ऑर्गेनिक चावल का वैश्विक बाजार बहुत बड़ा है और भारत धीरे-धीरे इसे एक स्कैलेबल एक्सपोर्ट मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में बढ़ रहा है।

वैल्यू-एडेड उत्पादों का निर्माण

तेजी से बढ़ती शहरी आबादी के बीच पौष्टिक और पौष्टिजनक खाद्य विकल्पों की मांग लगातार बढ़ रही है। पोषण के प्रति बढ़ती जागरूकता के इस दौर में, उचित चीनीय पर उपलब्ध वैल्यू-एडेड राइस प्रोडक्ट्स विकसित करने के लिए सभी स्टैकहोल्डर्स को मिलकर प्रयास करने होंगे। देश में लगभग 45 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में चावल की खेती होती है और उपभोक्ताओं की नज़र को समाधान उत्पादों के लिए नई दिशा दिखा सकता है।

वैश्विक चावल बाजार में भारत की मजबूत मौजूदगी के बीच अगली बड़ी धलान वैल्यू एडिशन के माध्यम से आ सकती है। वैल्यू एडिशन ऐसे उत्पादों पर किया जा सकता है, जिनमें कम मूल्य वाले कम्पॉजिटिड ग्रेड चावल का उपयोग धान्य और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में होता है। विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देश ऐसे इन्वेन्टिव पूड प्रोडक्ट्स का उपभोग करते हैं, जिन्हें बेहतर पोषण मूल्य के रूप में भी पेश किया जा सकता है। ये उत्पाद कृषिजिज्ञा, प्रसूत, रसोय और बेकरी आइटम्स से लेकर प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और डिमार्केटिंग इंडस्ट्री के अंतर्गत उत्पादों को भी सकते हैं।



“भारत का चावल क्षेत्र तेजी से अपने बढ़ रहा है। वर्तमान में हम हर साल लगभग 21 से 22 मिलियन टन चावल का निर्यात कर रहे हैं, जिसकी कुल कीमत करीब 1,18,000 करोड़ रुपये है। 2047 के विज़न के तहत हमारा लक्ष्य चावल निर्यात को 30 मिलियन टन तक पहुंचाना और वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना है।”

डॉ. प्रेम गर्ग
नेशनल प्रेसिडेंट,
इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन



“हमें चावल की खेती में पानी की खपत कम करनी होगी। चावल की खेती के कारण हर साल भूजल स्तर लगभग 1.5 फीट तक नीचे जा रहा है। अगर इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यह एक बड़े पारिस्थितिक संकट का रूप ले सकता है।”

डॉ. अशोक कुमार
प्रोफेसर, आईसीआईआईआर

राइस ब्रान ऑयल का उपयोग कॉस्मेटिक्स और फार्मास्यूटिकल उद्योगों में भी किया जा सकता है। बायोप्लास्ट के बड़े अवसरों के बीच राइस और स्टूड फिलानो से उत्पाद एकत्र करने वाली कंपनियों के लिए उपयुक्ती साबित हो सकती है।

अत्यधिक समीचीन परिस्थितियों और वर्षा पैटर्न में हो रहे बदलाव भी उद्योगों की चुनौतियों को बढ़ा रहे हैं। इसके कारण कृषि में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है और कुछ देश बड़े पैमाने पर चावल का भंडारण कर रहे हैं। ऐसे में, वैल्यू-एडेड उत्पाद समग्र की आवश्यकता बन गए हैं।

चावल क्षेत्र में हो रहे बदलावों के केंद्र में तकनीकी की भूमिका है, जो वैल्यू एडिशन की जमीन तैयार कर रही है। इसमें क्लाइमेट स्मार्टिंग तकनीक, फोर्टिफाइड प्रोडक्ट्स, स्मार्ट पैकेजिंग और सस्टेनेबल बाय-प्रोडक्ट यूटिलाइजेशन जैसी इनोवेशन शामिल हैं। ये नवाचार चावल की गुणवत्ता, पोषण मूल्य, पोषक तत्वों और बाजार अंतर्गत को बढ़ाते हैं।

फोर्टिफाइड राइस प्रोडक्ट्स आज की बड़ी जरूरत बन सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, माइक्रो-न्यूट्रिट फोर्टिफिकेशन कई देशों में आयरन बढ़ा सकता है, क्योंकि यह कुपोषण से निपटने में मदद करता है। बायोफोर्टिफाइड चावल की किस्में आनुवंशिक रूप से आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए विकसित की जाती हैं। वहीं राइस हस्क को पैलेटाइज करके कचरे को बायोएनर्जी और धवन में बदल जा सकता है।

चावल क्षेत्र में बेमते अवसर देखे बिना एक संपन्न नहीं है। बीआईआरसी 2026 का आयोजन 23 से 25 अक्टूबर 2026 के बीच भारत मंडयम, नई दिल्ली में किया जाएगा।

बीआईआरसी 2025, इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन द्वारा एपीईईएफ के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में किसानों, निर्यातकों, आयातकों, नीति-निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों सहित 80 से अधिक देशों के स्टैकहोल्डर्स ने हिस्सा लिया।

ये द्वितीय सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों की एक हजार से अधिक पारंपरिक चावल किस्मों को प्रदर्शित किया गया, जो नए निर्यात बाजारों की खोज में हैं। बीआईआरसी प्रतिभागियों ने दो दर्जन से अधिक नए निर्यात बाजारों के लिए उत्पाद भी प्रस्तुत किए, जिनकी अनुमानित क्षमता 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक आती है। इसके साथ ही सस्टेनेबल और रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर क्लस्टरों के निर्माण के अवसरों भी चर्चा हुई, जबकि बेहतर बीज चयन, अच्छी कृषि प्रदर्शियों और बाजार तक पहुंच के जरिये किसानों की आय बढ़ाना सम्मेलन का मुख्य फोकस रहा।

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in